मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्र का हवाई निरीक्षण किया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर राहत कार्यों की जानकारी ली। केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।
- धराली क्षेत्र में आई आपदा को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया।
- प्रदेश के सभी जिलों के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट। केदारनाथ यात्रा स्थगित की गई।

उत्तरकाशी आपदा

उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में कल खीरगंगा में बादल फटने से आई भीषण बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। इस प्राकृतिक आपदा में सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, जिला प्रशासन और अन्य टीमें लगातार रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई हैं। भटवाड़ी क्षेत्र में सड़कों के टूटने से यातायात बाधित हुआ है और उत्तरकाशी–हर्षिल मार्ग पर हुए भूस्खलन के बाद सड़कों को खोलने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज आपदा प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और उत्तरकाशी स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष से राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और सेना के प्रतिनिधियों से स्थिति की वस्तुनिष्ठ जानकारी ली और उन्हें राहत कार्यों को तीव्र गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रेस्क्यू एवं मेडिकल कैंप्स की स्थापना कर दी गई है और प्रभावितों के लिए भोजन व आवश्यक सामग्री की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बचाव अभियान में आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय लोग मिलकर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वायुसेना के चिनूक और एमआई–17 हेलीकॉप्टर पूरी तरह से तैयार स्थिति में हैं, ताकि आवश्यकता अनुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राहत कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक प्रभावित नागरिक तक सहायता पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है।

प्रधानमंत्री / एनडीआरएफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर राहत कार्यों की जानकारी ली और केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि सभी लोगों को सुरक्षित निकालने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। उधर, एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मोहसिन शहीदी ने बताया कि करीब 150 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उन्होंने आशंका जताई कि 100 से ज्यादा लोग घायल या लापता हो सकते हैं, लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन ने राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और रहने की उचित व्यवस्था की है, ताकि प्रभावित लोगों को तत्काल मदद मिल सके।

हेल्पलाइन नम्बर

धराली में आई आपदा के दृष्टिगत हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र, हरिद्वार में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर हैं– **01374– 22 27 22, 73 10 91 31 29 और 75 00 73 72 69**

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून में स्थापित हेल्पलाइन नम्बर हैं– **0135– 27 10 334, 27 10 335, 82 18 86 70 05,**

90 8 44 14 04

और टोल फ्री नंबर है– **1070**

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में बादल फटने से आई आपदा को लेकर स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह अलर्ट मोड में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित लोगों को बेहतर इलाज समय पर मिल सके। इस संबंध में स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि देहरादून, ऋषिकेश और अन्य प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं, ताकि आपदाग्रस्त क्षेत्र से लाए गए घायलों को तत्काल उपचार मिल सके। इन अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल और दवा आपूर्ति की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है।

मौसम

मौसम विभाग ने आज प्रदेश के सभी जिलों के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी और कहीं–कहीं अत्यंत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इस बीच, प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में रुक–रुक बारिश का दौर जारी है। बारिश से राज्य की प्रमुख नदियों के जल स्तर में बढ़ोतरी को देखते हुए शासन–प्रशासन के स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और भूस्खलन से कई सड़कें बाधित हैं, जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण केदारनाथ धाम जाने वाला मोटर मार्ग, सोनप्रयाग और गौरीकुण्ड के बीच मलबा पत्थर आने से बाधित है। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रल्हाद कोंडे ने बताया कि आम जनमानस और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत अग्रिम आदेशों तक केदारनाथ धाम यात्रा स्थगित की गई है। केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित रुकवाया गया है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ धाम पैदल मार्ग सहित पूरे जिले में पुलिस बल अलर्ट है। मौसम की चेतावनी को देखते हुए पुलिस ने लोगों से अनावश्यक यात्रा करने से बचने की अपील की है। उधर, चमोली जिले में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग जगह–जगह भूस्खलन से बाधित है। भनेरपानी में अवरुद्ध बदरीनाथ राजमार्ग को आवाजाही के लिए सुचारु कर दिया गया है।

गंगा जल स्तर

हरिद्वार के भीमगोड़ा बैराज पर गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसके बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के एसडीओ भारत भूषण ने बताया कि अधिकारी भीमगोड़ा बैराज से जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं जिला प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया है। निचले इलाकों में लोगों को गंगा के पास न जाने की हिदायत दी जा रही है। उधर, बारिश को देखते हुए चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी को आज से सैलानियों के लिए बंद कर दिया गया है। मौसम सामान्य होने तक किसी भी सैलानी को फूलों की घाटी नहीं जाने दिया जाएगा। गौरतलब है कि कल पुष्पावती नदी अचानक उफान पर आने के बाद 150 से अधिक सैलानी फूलों की घाटी की ओर फंस गए थे। इसके बाद वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर सभी पर्यटकों का सकुशल रेस्क्यू किया।

भारतीय मानक ब्यूरो

भारतीय मानक ब्यूरो– बीआईएस, देहरादून की ओर से चमोली जिले के जोशीमठ में भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल–आईटीबीपी की प्रथम वाहिनी यूनिट में 'संवेदीकरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आईटीबीपी के अधिकारियों और जवानों को 'गुणवत्ता मानकों, उपभोक्ता अधिकारों, आईएसआई चिह्नित उत्पादों की पहचान और ''सुरक्षा उपकरणों में प्रयुक्त मानकों' की जानकारी देना था। इस अवसर पर बीआईएस के निदेशक व प्रमुख सौरभ तिवारी ने बीआईएस की प्रमुख गतिविधियों और बीआईएस केयर मोबाइल ऐप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से बल में उपयोग होने वाले 'सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट, जूते, बॉडी आर्मर, और ''निर्माण सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक व संचार उपकरणों' आदि के लिए आवश्यक 'भारतीय मानकों और बीआईएस प्रमाणन प्रणाली' की जानकारी साझा की।